पूर्व पीएच० डी० (हिन्दी)

बीज पाठ्यक्रम प्रथम प्रश्नपत्र

शोध–प्रविधि **4 क्रेडिट**

पूर्णांक – 100 अंक
सत्रान्त परीक्षा – 60 अंक
2 सेशनल परीक्षा – 40 अंक

पाठ्यक्रम निर्धारण :–

इकाई–1 (1) शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, विभिन्न पर्याय, अनुसन्धान और आलोचना, पाठानुसन्धान आदि की परिभाषा ।

(2) शोध की प्रक्रिया, विषय–निर्वाचन, निर्देशन, शोध की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि।

–एक आलोचनात्मक प्रश्न – (शब्द सीमा 500 तक) – 10 अंक

इकाई–2 (1) अनुसन्धान के मूलतत्व, अनुसन्धान के प्रकार, शोध– सामग्री संकलन की विविध प्रणालियाँ।

(2) पत्राचार प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध–पत्र, हस्त लेखों का संकलन एवं उपयोग, आधारग्रन्थ आदि का पारायण।

–एक आलोचनात्मक प्रश्न– (शब्द–सीमा 500 तक) – 10 अंक

इकाई–3 (1) शोध कार्य का विभाजन, अध्याय–उपशीर्षक और अनुपात, रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका–लेखन, अनुक्रमणिका ।

(2) पाद– टिपणी, सन्दर्भ उल्लेख, सहायक ग्रन्थों की सूची, परिशिष्ट लेखन, पाण्डुलिपि– अवलोकन एवं सम्पादन, अशुद्धियों का निर्मूल और शोध–प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण।

–एक आलोचनात्मक प्रश्न– (शब्द–सीमा 500 तक) – 10 अंक

इकाई–4 (1) अनुसंधान : प्रविधि और दृष्टि : साहित्यिक अनुसन्धान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग, साहित्यिक अनुसन्धान में समाज शास्त्रीय प्रविधि का उपयोग, अन्तर विचारपरक अनुसन्धान प्रविधि, तुलनात्मक अनुसन्धान प्रविधि, मनोविश्लेषणात्मक प्रविधि, भाषा वैज्ञानिक अनुसन्धान

(2) शोध भाषा का स्वरूपः शोष भाषा, समीक्षा भाषा, सर्जनात्मक भाषा में साम्य और वैषम्य शोध– चिह्न आलेख तथा अंक आदि का उपयोग, अनुच्छेदीकरण, विरामांकन आदि। हिन्दी शोध का स्वरूप एवं विकास उपलब्धि एवं सीमाएँ।

Scanned with OKEN Scanner

–एक आलोचनात्मक प्रश्न– (शब्द–सीमा 500 तक) – 10 अंक

इकाई–5 (1) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 7 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 4 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द–सीमा–100) 4*5=20 अंक

सन्दर्भ–ग्रन्थ :–

1– शोध प्रविधि डॉ० विनय मोहन शर्मा ।

2– अनुसन्धान का स्वरूप सं० सावित्री सिन्हा।

3– अनुसन्धान की प्रक्रिया– डॉ० ज्ञानप्रकाश गुप्त

4– हिन्दी शोध तन्त्र की रूपरेखा– डॉ० मनमोहन सहगल

5– शोध प्रविधि और प्रक्रिया– डॉ० चन्द्रभान रावत एवं डॉ० भवकुमारी ।

6– अनुसन्धान के मूल तत्व– डॉ० उदयभानु सिंह।

7– अनुसंधान की प्रक्रिया– डॉ० सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक।

8– साहित्य की सामजशास्त्रीय भूमिका डॉ० मैनेजर पाण्डेय।

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व पीएच० डी० (हिन्दी) का पाठ्यक्रम

बीज पाठ्यक्रम द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि **3 क्रेडिट**

पूर्णांक 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा –60 अंक

02 सेशनल परीक्षा 40 अंक

पाठ्यक्रम निर्धारण :–

इकाई–1 (1) विचारधारा और साहित्य, मध्ययुगीन बोध व स्वरूप, भक्तिकाल की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियाँ।

(2) भक्ति आन्दोलन, विभिन्न दार्शनिक मत (द्वैत, अद्वैतवाद, विशिष्ट द्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद), मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य– वैषम्य

–एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 शब्द)– 10 अंक

इकाई–2 (1) आधुनिकता बोध का स्वरूप, परम्परा और आधुनिकता, राष्ट्रीयता एवं अन्तर्राष्ट्रीयता।

(2) पुनर्जागरण और भारतेन्दु युग का काव्य, द्विवेदी युग और लोक जागरण।

–एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा 500 शब्द)– 10 अंक

इकाई–3 (1) आधुनिक विचारधाराएँ– गांधीवाद (सत्य, अहिंसा, स्वराज) मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद– (स्वतन्त्रता, अजनबीपन, अस्मिता)।

(2) अन्य आधुनिक अवधारणाएँ– अध्यात्मवाद, अन्तश्चेतनावाद उत्तर आधुनिकतावाद।

–एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा 500 शब्द) 10 अंक

इकाई–4 (1) राष्ट्रीय स्वातन्त्र्य आन्दोलन, हिन्दी साहित्य में सांविधानिक व्यवस्था के अनुरूप लोकतन्त्र, समाजवाद, पंथ निरपेक्षता की स्थिति।

(2) दलित–चेतना, स्त्री जीवन मूल्य, मिथकीय चेतना एंव मानवाधिकार विमर्श, आंचलिकता और महानगरीय बोध, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य का इतिहास–दर्शन, साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन।

–एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा 500 शब्द)– 10 अंक

इकाई–5 (1) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 7 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 4 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द–सीमा 100 शब्द) 4*5=20 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

Scanned with OKEN Scanner

1– हिन्दी साहित्य की भूमिका डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

2– परम्परा का मूल्यांकन– डॉ० रामविलास शर्मा ।

3– दूसरी परम्परा की खोज– डॉ० नामवर सिंह ।

4– भक्ति काव्य की भूमिका डॉ० प्रेमशंकर ।

5– भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार सं0– डॉ० गोपेश्वर सिंह ।

6– महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण की समस्याएँ– डॉ० रामविलास शर्मा ।

7– आज का दलित साहित्य– तेज सिंह ।

8– दालित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र– शरणकुमार लिंबाले (अनु०) ।

9– स्त्रीवादी विमर्श समाज और साहित्य क्षमा शर्मा

10– मध्यकालीन बोध स्वरूप– डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

11– हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1, 2)– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

12– पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त और वाद– डॉ० सत्यदेव मिश्र ।

13– उत्तर आधुनिकता कुछ विचार सं0 देवशंकर नवीन ।

14– मिथक एवं आधुनिक कविता– डॉ० शम्भूनाथ ।

15– विचारधारा एवं साहित्य– डॉ० राजकुमार शर्मा ।

16– संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह ‘दिनकर’ ।

पूर्व पीएच० डी० (पाठ्यक्रम)

वैकल्पिक प्रश्न पत्र (प्रथम प्रश्न पत्र)

वर्ग (i)– (3) आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)

Scanned with OKEN Scanner

– 4 क्रेडिट

पूर्णांक – 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा – 60 अंक

02 सेशनल परीक्षा – 40 अंक

पाठ्यक्रम निर्धारण :–

इकाई –1 (1) आधुनिकता की अवधारणा और उसकी पृष्ठभूमि पुनर्जीगरण और भारतेन्दु ।

(2) महावीर प्रसाद द्विवेदीः नवजागरण, काव्य भाषा के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा, हरिऔध और मैथिलीशरण गुप्त का योगदान ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 तक)– 10 अंक

इकाई–2 (1) छायावाद और स्वच्छन्दतावाद, छायावाद में रहस्यानुभूति का स्वरूप, छायावादी कविता में स्वच्छन्दतावाद कल्पना, –छायावादी कवियों की राष्ट्रीय–सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना।

(2) छायावादी काव्य में नारी, छायावादी कवियों का सौन्दर्य बोध, प्रयावादी काव्य में प्रगीति तत्व/छायावाद की काव्य भाषा शिल्प विधान।

एक आलोचनात प्रश्न (शब्द– सीमा 500 तक)– 10 अंक

इकाई–3 (1) प्रसाद का दर्शन, समरसता और आनन्दवाद, कामायनी का रूपक तत्व, कामायनी का आधुनिक संदर्भ ।

(2) निराला की प्रगति चेतना, निराला के प्रयोग के विविध आयाम, राम की शक्ति–पूजा का काव्य– सौन्दर्य, मुक्त– छन्द– अवधारणा और प्रयोग ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 तक)– 10 अंक

इकाई–4 (1) पन्त की काव्या–यात्रा के विविध सोन, प्रतिचित्रण, कल्पनाशीलता, सौंदर्य चेतना की भाषा

(2) महादेवी वर्मा के काव्य में रहस्यवाद वेदना भाव गीति– तत्व, महादेवी की काव्य–भाषा, बिम्ब–विधान।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 तक) 10 अंक

इकाई–5 (1) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 07 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 04 के उत्तर देने होगे।

(शब्द सीमा 100 तक) 4*5=20 अंक

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रन्थ :–

1– छायावाद के आधार स्तम्भ– गंगा प्रसाद पाण्डेय

2– आधुनिक कविता यात्रा डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी ।

3– छायावाद की परिक्रमा डॉ० श्याम किशोर मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4– छायावाद काव्य कुछ नये संदर्भ प्रो० मृदुला जुगरान

5– हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना

6– नयी कविता और नये कवि– डॉ० विश्वम्भर मानव ।

पूर्व पीएच० डी० (पाठ्यक्रम)

वैकल्पिक प्रश्न पत्र (द्वितीय प्रश्न पत्र)

वर्ग (ii) (5) जनपदीय साहित्य (गढ़वाली भाषा और साहित्य)

4 क्रेडिट

Scanned with OKEN Scanner

पूर्णांक – 100 अंक

सत्रान्त परीक्षा – 60 अंक

02 सेशनल परीक्षा – 40 अंक

पाठ्यक्रम निर्धारणः–

इकाई –1– (1) गढ़वाली भाषा का इतिहास एवं विकास, गढ़वाली शब्द की व्युत्पत्ति, गढ़वाली भाषा के अध्ययन की रूप रेखा, गढ़वाली भाषा के शब्द–स्रोत, गढ़वाली शब्द सम्पदा की उपयोगिता ।

(2) गढ़वाली का प्रकाशित शिष्ट साहित्य का विकासात्मक परिचय, गढ़वाली साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं विभिन्न युग की सामान्य विशेषताएँ ।

एक आलोकनात्मक प्रश्न (शब्द– सीमा 500 तक) – 10 अंक

इकाई–2 (1) गढ़वाली शिष्ट काव्य–पं० तारादत्त गैरोला– 'सदेई गीत, तोताकृष्ण गैरोला– 'प्रेमी पथिक', भजन सिंह 'सिंह' 'वीर बधू देवकी' जीवानन्द श्रीयाल 'डाली माटी', अबोध बन्धुबहुगुणा– 'भूम्याल सुदामाप्रसाद प्रेमी–'ब्वै की मिट्ठी श्रीधर जमलोकी– 'राष्ट्ररक्षा', नरेन्द्र सिंह नेगी– 'सुलकुण्डी', इन सभी रचनाओं के लेखकों का संक्षिप्त परिचय एवं रचनाओं का कथासार एवं काव्य कला।

(2) गढ़वाल) गद्य साहित्य– उपन्यास– बल्देव प्रसाद नौटियाल 'व्यंलमु ब्यूगल, नित्यानन्द मैठाणी– 'निमाणी' उपन्यासों में जीवन दर्शन एवं समीक्षा कहानी– दुर्गा प्रसाद घिल्डियाल 'ब्यारी' (कहानी संग्रह), भगवती प्रसाद जोशी–'एक ढांगा की आत्म कथा – (कहानी संग्रह), मोहनलाल नेगी 'जोनि पे छापु किले–(कहानी संग्रह) का कथासार एवं समीक्षा ।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 तक)– 10 अंक

इकाई 3– गढ़वाली नाटक एवं एकांकी

(1) नाटक–भवानी दत्त थपलियाल 'प्रहलाद नाटक, चारल्या 'पांशु नाटिका का कथासार, समीक्षा, एकांकी – गोविन्द चातक– 'जंगली फूल (एकांकी संग्रह), भगवती प्रसाद पांवरी– 'भूतों को खोह, (एकांकी संग्रह) समीक्षा।

(2) गढ़वाली नाटक एवं एकांकियों में लोकजीवन एवं सामाजिक चेतना का चित्रण एवं आंचलिकता।

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 तक)– 10 अंक

Scanned with OKEN Scanner

इकाई 4 (1) गढ़वाली निबन्ध, गद्य गीत, रिपोर्ताज, पत्र– साहित्य का उद्‌भव एवं विकास– डॉ० गोविन्द चातक– 'क्या गोरी क्या सौली, (10 ललित निबन्ध) सार समीक्षा, गद्यगीत– कन्हैयालाल डंडरियाल 'चार्टी का हवीड़ की समीक्षा।

(2) पत्र साहित्य– 'पहाड़ी के पत्र चातक के नाम का वैशिष्ट्य, (42 बलरामपुर हाउस इलाहाबाद), रिपोर्ताज नवीन नौटियाल 'इथे उथै समीक्षा

एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 तक)– 10 अंक

इकाई–5– (1) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 07 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 04 के उत्तर देने होगें।

(शब्द सीमा 100 तक) 4*5= 20 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1– गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य– डॉ० हरिदत्त भट्ट, 'शैलेश – हिन्दी साहित्य समिति उ०प्र० शासन लखनऊ।

2– मध्यपहाड़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ० गोविन्द चातक, नई दिल्ली।

3– गढ़वाली लोक मानस– डॉ० शिवानन्द नौटियाल ।

4– गढ़वाल और गढ़वाल सं० चन्द्रपाल सिंह रावत, डॉ० श्वामधर तिवारी, 'गणी 4/310 सी0 लॉरेंस रोड, नई दिल्ली।

5– भारतीय लोक साहित्य कोश (खण्ड–4)– डॉ० सुरेश गौतम एवं डॉ० वीणा गौतम, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।

Scanned with OKEN Scanner